साथ ही कुछ चुनौतियाँ भी हैं। यदि इन चुनौतियों का समाधान किया जाए, तो यह जिला कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के मामले में एक आदर्श जनपद बन सकता है। यहाँ का प्रमुख आर्थिक आधार कृषि है, लेकिन किसानों में नई कृषि तकनीकों, जैविक खेती और वैज्ञानिक विधियों की जानकारी सीमित है। चंदौली में कृषि व्यवसाय और किसानों को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाना अत्यंत आवश्यक है। चंदौली के आसपास के प्रमुख शहरों में वाराणसी, मिर्जापुर और सोनभद्र शामिल हैं, लेकिन पूर्वांचल में अभी तक कोई प्रमुख केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय नहीं है। इसलिए, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करती हूँ कि चंदौली में केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए, ताकि इस क्षेत्र में कृषि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक कृषि शिक्षा को बढ़ावा मिल सके।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): The hon. Member, Dr. Sasmit Patra (Odisha) associated himself with the Special Mention made by hon. Member, Shrimati Darshana Singh.

Shri Mohammed Nadimul Haque, "Concern over low utilisation of funds under Project Tiger and Elephant".

Concern over low utilisation of funds under Project Tiger and Project Elephant

SHRI MOHAMMED NADIMUL HAQUE (West Bengal): Sir, I rise to raise an issue that demands immediate attention of the Government. There is an urgent need to address the critical issue of under utilisation of funds under Project Tiger and Project Elephant, which are pivotal for the conservation of India's wildlife heritage.

Following the abysmally low utilization, there have been no significant developments as one-third of funds still remain under-utilized in 2023-24. This lack of fund utilization is particularly concerning given the recent mass deaths of elephants in Madhya Pradesh and Odisha. Such incidents highlight the urgent need for strengthening conservation measures and enhancing wildlife management practices. While Project Tiger has consistently received higher funding, the limited scope and resources under Project Elephant have significantly hampered efforts to manage and protect our elephant population effectively. This is concerning in light of the recent statistics that India has lost 528 elephants in the last five years due to unnatural causes. Thus, the merger of schemes is proving to be a poorly planned move. The situation demands for a speedy response by the Ministry. This includes an immediate action plan addressing gaps in habitat management, anti-poaching measures, and human-wildlife conflict mitigation.

Therefore, I urge the Government to take decisive steps to strengthen these programs and safeguard our wildlife. Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Shri Mohammed Nadimul Haque: Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Now, Shrimati Sumitra Balmik-request to increase the number of direct flights and air routes from Jabalpur.

Request to increase the number of direct flights and air routes from Jabalpur

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आज इस सदन के माध्यम से जबलपुर के लिए उन्नत हवाई संपर्क की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। जबलपुर मध्य भारत का केंद्र और हमारे देश का हृदय है, महाकौशल क्षेत्र का प्रवेश द्वार है और देश के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों का केंद्र भी है। जबलपुर के 300 किलोमीटर के दायरे में 4-5 राष्ट्रीय उद्यानों समेत अनेक पर्यटन स्थलों का यह क्षेत्र आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अपार संभावनाएँ रखता है। जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण शहर के लिए अहमदाबाद, जयपुर, कोलकाता, चेन्नई और कोच्चि जैसे शहरों के लिए सीधी उड़ानों का अभाव है। साथ ही, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे प्रमुख शहरों के लिए सीमित उड़ान यहाँ की आर्थिक, शैक्षिक और पर्यटन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।

जबलपुर के प्रतिभाशाली युवा देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं और नियमित रूप से अपने शहर आते-जाते हैं। इसके अलावा, यहाँ का पर्यटन और व्यापारिक क्षेत्र भी हवाई सेवाओं की कमी से प्रभावित हो रहा है।

मैं नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध करती हूँ कि वह एयरलाइंस, व्यापारिक और नागरिक प्रतिनिधियों एवं केंद्र और राज्य प्रशासन को साथ लेकर एक परामर्श बैठक आयोजित करे और नए हवाई मार्गों की स्थापना और मौजूदा उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर ठोस कदम उठाए। यह केवल हवाई संपर्क का मामला नहीं है, यह जबलपुर की सामरिक और आर्थिक महत्ता को पहचानने का विषय है। अतः मैं सरकार से आग्रह करती हूँ कि वह इस मुद्दे पर कार्रवाई करे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Shrimati Sumitra Balmik: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

The House stands adjourned to meet at 11 a.m. on Friday, the 6th December 2024.

The House then adjourned at forty-nine minutes past five of the clock till eleven of the clock on Friday, the 6th December 2024.